Govt. Maharshi Valmiki Post Graduate College

Bhanupratappur

Dist – U.B. Kanker (C.G)

Green Audit Report

Session : 2018-19

Sub-Divisional ForestOffice
Bhanupratappur

Principal
Govt. Maharshi Valmiki
PG College Bhanupratappur
Dist- Kanker (C.G)

Principal
Govt. Maharshi Valmiki P.G.Collage
Bhanupratappur, U.B.Kanker (C.G.)

//ग्रीन ऑडिटरिपोर्ट 2018–19//

(क) षासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर, जिला– उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

(ख) महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों के प्रकार तथा उनकी सूची–

1. फलदार वृक्ष
2. औषधीय पौधे
3. फूलों के पौधे
4. शो–पत्ते
5. घास–फूस
6. अत्यधिक ऑक्सीजन उत्सर्जित पौधे

(ग) महाविद्यालय में लगे प्रत्येक पौधे की विोषता उसकी उपयोगिता (महत्व) उसका वैज्ञानिक नाम।

(घ) महाविद्यालयीन पेड़ पौधे तथा छात्र जीवन।

(ड़) महाविद्यालयीन पेड़ पौधे (हरियाली) का रख–रखाव।

षासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर
जिला– उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

ग्रीन ऑडिट रिर्पोट प्रतिवेदन सत्र 2018–19

षासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर में तीनों सकांय क्रमषः कला, (हिन्दी साहित्य, समाज शास्त्र, राजनीतिविज्ञान, अर्थषाास्त्र), विज्ञान संकाय (रसायनषास्त्र, वनस्पतिषास्त्र जन्तुविज्ञान,गणित) एवं वाणिज्य संकाय (अविनार्य विषय) के साथ आरंभ में इसका संचालन किया जा रहा है। पहले महाविद्यालय पं. रविषंकर षुक्ल वि.वि. के अंतर्गत आता था मगर वर्तमान में षहीद महेन्द्र कर्मा विष्वविद्यालय बस्तर, जगदलपुर के अंतर्गत आता है।

दूर–दराज ग्रामीण इलाकों से छात्र–छात्राएं अपनी आँखों में उज्जवल भविष्य के सपने के लिए महाविद्यालय की दहलीज पर पहूँचते है। तो इस महाविद्यालय के अनुभवी प्राध्यापक इनके भविष्य को संवारने तथा अपनी ज्ञान के द्वारा इनके व्यक्तित्व के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हो उठते है। इस महाविद्यालय के यहां खुलने से हजारों विद्यार्थियों को उनकी मंजिल मिल सकेगी तथा उनके सपने साकार हो रहे हैं। उनके व्यक्तित्व विकास को एक दिषा मिल रहा है।

महाविद्यालय में पेड़ पौधे का महत्व तथा उपयोगिता

पेड़–पौधे पर्यावरण की संतुलन को बढाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते है। पेड़–पौधे वायुमंडल की गर्मी, कार्बनडाइ ऑक्साइड तथा विभिन्न प्रकार के होने वाले प्रदूषणों को अवषोषित कर वातावरण को षुद्ध बनाए रखते है। पेड़–पौधे ऑक्सीजन का उर्त्सजन करते हैं जो मानव के लिए अति आवष्यक है तथा हरियाली बादलों को आकर्षित कर वर्षा कराते है।

महाविद्यालय परिसर में लगे प्रत्येक पेड़–पौधे की अपनी अलग ही विषेषता है प्रत्येक पौधा अपना अलग महत्व तथा उपयोगिता रखता है। पीपल का वृक्ष शुद्ध तथा अधिक ऑक्सीजन के द्वारा मानव जीवन तथा स्वास्थ्य की रक्षा करता है तो वहीं तुलसी का पौधा औषधीय गुणों से युक्त होता है। गुलाब का पौधा अपनी खुषबू तथा सौन्दर्य से वातावरण को सुगंधित तथा आनंदी तक रती है तो वहीं आम अपने अमृतरस से मनुष्य को तृप्त कर देता है।

महाविद्यालयीन पेड़–पौधे छात्र जीवन

इस भौतिक जगत तथा मीनी युग में मनुष्य पर्यावरण तथा प्रकृति से दूर होता जा रहा है। मानव अपनी तुच्छ स्वार्थ के लिए वह पेड़–पौधों को काट रहा है। पेड़–पौधों की इस तरह कटाई के परिणाम स्वरूप आने वाले भयंकर संकट से वह अनजान है, इस क्षति से बचने की षिक्षा तथा पेड़–पौधों के प्रति लगाव तथा उसके महत्व के विषय में जागरूकता छात्र जीवन में ही होनी चाहिए तभी इस परनियंत्रण लगाया जासकता है इसलिए इसकी षुरूआत महाविद्यालय से ही होनी चाहिए।

महाविद्यालय में लगे पेड़–पौधों की हरियाली छात्रों में ऊर्जा का संचार करते है, प्रकृति के सानिध्य में ही उनके व्यक्तित्व का विकास होता है तथा वह पेड़–पौधों के महत्व तथा पर्यावरण षुद्धता के प्रति सतत् प्रयासदो के साथ पुरे विष्वसमुदाय के लिये जरूरी हो गया है क्योंकि आने वाले समय में इस धरती को बचाये रखने के लिए हमें पर्यावरण के प्रति सार्थक प्रयास करना होगा।जो उच्च षिक्षण संस्थान इस संबंध में बेहतर किरदार यदा कर सकते है। आज संपूण पर्यावरण प्रदूषण एक अत्यंत गंभीर मुद्दा व प्रमुख चुनौती बन चुका है। जिसे दूर करने के लिए समाज के हरे क वर्ग को आगे आना होगा जिसमें षिक्षित वर्ग का सबसे महत्वपूर्ण भागीदारी जन जागरूकता के साथ–साथ अपने कार्यालय, संस्थान आदि में अधिकाधिक पौधारोपण व उसका संरक्षण कर रोलमॉडल बनाना होगा एवं अपष्टि पदार्थो का पुनः चक्रण वाटर हारवेस्टिंग, ऊर्जा संरक्षण आदि विधियों को अपनाना होगा जो पर्यावरण सुधार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी भूमिका निभाते है।

हमारा महाविद्यालय इस विषय को प्रमुखता से दैनिक गतिविधि का हिस्सा बनाया है जिसमें प्राध्यापक, छात्र/छात्राएं व इस संस्थान के कर्मचारियों द्वारा अपनी भागीदारी सुनिचित किया जाता है। महाविद्यालय परिसर में वनस्पतिक उद्यान विकसित करने के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किये गये है जिसमें औषधि गुण के पौधे भी षामिल है।

महाविद्यालय परिसर में रोपे गये कुछ पौधों का विवरण इस प्रकार है –

1. तुलसी पौधा :–वैज्ञानिक नाम ओसिमम सैंक्टम। तुलसी का पौधा अत्यधिक उपयोगी होता है। इससे सभी घरों में मेडिसीन एवं इसे घरमें लगाने से घरमें लक्ष्मी का वास होता है।तुलसी पौधे का उपयोग वेद शास्त्र के अनुसार बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस पौधे से विभिन्न प्रकार की बिमारी का ईलाज होता है। जैसे–सर्दी, खांसी और अन्य दवाईयों के रूप में उपयोग किया जाता है। तुलसी पौधा अत्यधिक उपयोगी है। शुद्ध वायु का भी संचार करता है।

2. एलोवेरा :– एलोवेरा का वैज्ञानिक नाम ऐलोवेरा है। ऐलोवेरा एक औषधि पौधा है, जो कि बहुत ही उपयोगी है, जो कि हमारें महाविद्यालय में रोपे गये है एलोवेरा से चेहरे की झुरियों एवं अन्य प्रकार की दवाईयाँ का उपयोग होता है।

3. मोरपंखी :– **Platycladus Orientalis** यह शो पिस पौधा है, जो कि महाविद्यालय प्रांगण में लगाया गया है यह पौधा अपनी सुन्दरता के लिए आदित्य है। इस सभी पौधों के कारण महाविद्यालय की स्वच्छता एवं सुन्दरता में अद्वितीय हो जाता है।

4. मनीप्लांट :– **Epipremnum Aureum** यह पौधा षुद्ध वायु का संचार करती है। इस पौधे को घरो में लगाना षुभ माना जाता है।

5. गोल्डमोहर :– **Delonixregia** यह पौधा हमारे महाविद्यालय के परिसर में लगाया गया है। जिसका पौधा हरा–भरा और मन को मोहने वाला है। इसकी फूल गुच्छो में निकलते है और इस सभी में मनुष्यों को ऑक्सीजन की मात्रा प्राप्त किया जाता है। इसमें भी मनुष्य को राहत मिलती है। इसका पेड़ बहुत बड़ा होता है तथा फूलो से सज्जित होता है।

6. पत्थर चट्टा :– **Bryophyllum Calycinum** यह पौधा उपयोगी औषधि के रूप में किया जाता है। जैसे– पथरी का ईलाज, पाचन शक्ति बढ़ाने में किया जाता है।

7. नागफनी :– **Crataegus** यह पौधा कांटो से युक्त होता है तथा यह सजावटी पौधों के रूप में रोपा जाता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन :– हमारे महाविद्यालय में अपषिष्ट प्रबंधन हेतु जैव–कम्पोस्ट कीट लगया गया है। जिसमें महाविद्यालय व इसके परिसर से एकत्र अपषिष्ट पदार्थो की प्रकृति अनुसार जैव–कम्पोस्ट कीट में डालकर जैविक खाद का निर्माण किया जाता है तथा यह जैविक खाद का उपयोग महाविद्यालय परिसर में लगे पौधों हेतु उपयोग में लाया जाता है।

प्लास्टिक के विरूद्ध अभियान :– शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर के छात्र/छात्राओं प्राध्यापकों द्वारा प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से परिचित कराया गया तथा प्लास्टिक के विरूद्ध लोगो में जागरूकता के उद्देष्य से एवं पर्यावरण को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए नगर में रैली निकाल कर भ्रमण कराया गया।

जल संरक्षण :– षासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर के परिसर में छोटे–छोटे गड्ढे बनाकर वर्षा जल को भूमिगत कर एवं अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने का प्रयास किया जारहा है। क्योंकि पेड़–पौधें जल को संरक्षित करने में सहायक होते हैं।

पौधों का महत्व :–प्रकृति की साकारात्मक ऊर्जा को प्राप्त करने के लिए तथा जीवन को समृद्ध और खुषहाल बनाने के लिए हरसाल धरती पर पेड़–पौधे लगाए जाते है। पेड़ पृथ्वी की पारिस्थिति प्रणाली को संतुलित करने और बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।हरे पेड़ और पौधे ऑक्सीजन के साथ वातावरण को भरते है, हवा को शुद्ध करते हैं, मिटटी के कटाव को रोकते हैं, वन्य जीवन का समर्थन करते हैं और जलवायु नियंत्रण में सहायता करते हैं। धरती पर जीवन प्रदान करने वाली ऑक्सीजन और पानी प्रदान करने वाला मुख्य साधन पेड़ ही है। मात्र वायु प्रदूषण ही नहीं ये, हानिकारक रसायनों का छानकर जल को भी साफ करते हैं। हर उद्योग में पेड़ के उत्पाद का मुख्य योगदान रहता है। हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं में पेड़ों का बहुत महत्व है।

महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों को देखभाल :–महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों का समय–समय पद खाद्य तथा कीट नाषक दवाईयों का छीड़काव व देखभाल किया जाता है जिसके कि पौधों में बीमारियों का प्रभाव देखने को नहीं मिलता है और पौधे स्वच्छ एवं हरा–भरा दिखते है, इसके लिए हम सब प्रयासरत है।

शासकीय महर्शिवाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर, जिला–उत्तरबस्तरकांकेर (छ.ग.)

(ग्रीन ऑडिटरिर्पोट, सत्र 2018–19)

कमांक	पेड़ / पौधों का नाम	वैज्ञानिक नाम
1	चांदनी	TabernaemontanaDivaricata
2	हरकारा	Allamanda Catharica
3	एक्जोरा	Ixora Coccinea
4	तुलसी	Ocimum Sanctums
5	सदाबहार	Vinca Rosea
6	लिली	Genus Lilium
7	गुलमोहर	Delonix Regia
8	मोरपंखी	PlatycladusOrientalis
9	नागफनी	Crataegus
10	पत्थरचट्टा	BryophyllumCalycinum
11	ऐलोवेरा	AloveBarbadensis
12	भृंगराज	EcliptaProstrata
13	चीरचीटा	Achyranthes Aspera
14	बबूल	VachelliaNilotica
15	चम्पा	Pulmeria Rubra
16	नागचम्पा	PlumeraiPudica
17	गेंदा	Tagetes Erecta
18	बेल	Aegle Marmelos
19	बरगद	Ficus Benghalensis
20	बेर	Zizyphusnummularia
21	कदम	NeolamarckiaCadamba
22	रतनजोत	Alkanna Tinctoria
23	गुलाब	Rosa
24	नीम	Azadirachta Indica

25	पलास	Butea Monosprema
26	अशोक	Saraca Asoca
27	कनेर	Cascabela Thevetia
28	छुईमुई	Mimosa Pudica
29	दुब घास	CynodonDactilon
30	चरौटा	Cassia Tora
31	लुनिया	Portulaca Oleracea
32	जंगली मूली	Blumea Lacera
32	चौलाई	Acaranthus
33	धुतुरा	Datura Stramonium
34	अरण्ड	Rucinus Communis
35	जंगली पेटुनीस	Ruellia Simplex
36	सेन्चुरी प्लान्ट	Agave Angustifolia
37	अमरूद	Psidiun Guajava
38	गाजर घास	Parthenium Hysterophorus
39	पल्म अरेलिया	PolysciasScutellaria
40	ऑक्जेलिस	Oxalis Comiculata
41	खम्हार	Gmelina Arborea
42	सेवंती	Chrysamthemum
43	जरबेरा	Gerbera
44	आम	Mangiter Indica
45	महुआ	MadhucaLongitdia
46	बेम्बु	Bembusa Vulgaris
47	शीशम	Dalbergia Sisso
48	सीताफल	Annona Squamosa
49	श्रातरानी	Cestrum Nocturnum
50	गंधराज	Gardenia Jasminoides
51	मेंगरा	Jasmine
52	साल (सइई)	Shorea Robusta

CREPE JASMINE

ALLAMANDA CATHARTICA

MARI GOLD

RED MARI GOLD

CORDYLINE PLANT

BANYAN TREE

JUNGLE GERANIUM

ACALYPHA WILKESIANA

GRADENIUM

ROSE

HIBISCUS

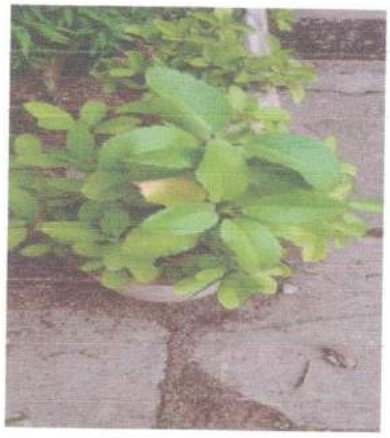

KALANCHOE PINNATA

CACTUS

RIBBON FERN

GUAVA TREE

Sub Divisional Forest Officer
Bhanupratappur

Principal
Govt. Maharishi Valmiki P.G.Collage
Bhanupratappur, U.B.Kanker (C.G.)

Govt. Maharshi Valmiki Post Graduate College

Bhanupratappur

Dist – U.B. Kanker (C.G)

Green Audit Report

Session : 2019-20

Sub Divisional Forest Officer
Bhanupratappur

Principal
Govt. Maharshi Valmiki
PG College Bhanupratappur
Dist.- U.B. Kanker (C.G.)

//ग्रीन ऑडिटरिपोर्ट 2019–20//

(क) षासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रता पपुर, जिला– उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

(ख) महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों के प्रकार तथा उनकी सूची–

1. फलदार वृक्ष
2. औषधीय पौधे
3. फूलों के पौधे
4. शो–पत्ते
5. घास–फूस
6. अत्यधिक ऑक्सीजन उत्सर्जित पौधे

(ग) महाविद्यालय में लगे प्रत्येक पौधे की विोषता उसकी उपयोगिता (महत्व) उसका वैज्ञानिक नाम।

(घ) महाविद्यालयीन पेड़ पौधे तथा छात्र जीवन।

(ड़) महाविद्यालयीन पेड़ पौधे (हरियाली) का रख–रखाव।

षासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर
जिला– उ.ब. कांकेर (छ.ग.)

ग्रीन ऑडिट रिर्पोट प्रतिवेदन सत्र 2019–20

षासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर में तीनों सकांय क्रमषः कला, (हिन्दी साहित्य, समाज शास्त्र, राजनीतिविज्ञान, अर्थषास्त्र), विज्ञान संकाय (रसायनषास्त्र, वनस्पतिषास्त्र जन्तुविज्ञान,गणित) एवं वाणिज्य संकाय (अविनार्य विषय) के साथ आरंभ में इसका संचालन किया जा रहा है। पहले महाविद्यालय पं. रविषंकर षुक्ल वि.वि. के अंतर्गत आता था मगर वर्तमान में षहीद महेन्द्र कर्मा विष्वविद्यालय बस्तर, जगदलपुर के अंतर्गत आता है।

दूर–दराज ग्रामीण इलाकों से छात्र–छात्राएं अपनी आँखों में उज्जवल भविष्य के सपने के लिए महाविद्यालय की दहलीज पर पहूँचते है। तो इस महाविद्यालय के अनुभवी प्राध्यापक इनके भविष्य को संवारने तथा अपनी ज्ञान के द्वारा इनके व्यक्तित्व के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हो उठते है। इस महाविद्यालय के यहां खुलने से हजारों विद्यार्थियों को उनकी मंजिल मिल सकेगी तथा उनके सपने साकार हो रहे हैं। उनके व्यक्तित्व विकास को एक दिषा मिल रही है।

महाविद्यालय में पेड़ पौधे का महत्व तथा उपयोगिता

पेड़–पौधे पर्यावरण की संतुलन को बढाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते है। पेड़–पौधे वायुमंडल की गर्मी, कार्बनडाइ ऑक्साइड तथा विभिन्न प्रकार के होने वाले प्रदूषणों को अवषोषित कर वातावरण को षुद्ध बनाए रखते है। पेड़–पौधे ऑक्सीजन का उर्त्सजन करते हैं जो मानव के लिए अति आवष्यक है तथा हरियाली बादलों को आकर्षित कर वर्षा कराते है।

महाविद्यालय परिसर में लगे प्रत्येक पेड़–पौधे की अपनी अलग ही विषेषता है प्रत्येक पौधा अपना अलग महत्व तथा उपयोगिता रखता है। पीपल का वृक्ष शुद्ध तथा अधिक ऑक्सीजन के द्वारा मानव जीवन तथा स्वास्थ्य की रक्षा करता है तो वहीं तुलसी का पौधा औषधीय गुणों से युक्त होता है। गुलाब का पौधा अपनी खुषबू तथा सौन्दर्य से वातावरण को सुगंधित तथा आनंदी तक रती है तो वहीं आम अपने अमृतरस से मनुष्य को तृप्त कर देता है।

महाविद्यालयीन पेड़–पौधे छात्र जीवन

इस भौतिक जगत तथा मीनी युग में मनुष्य पर्यावरण तथा प्रकृति से दूर होता जा रहा है। मानव अपनी तुच्छ स्वार्थ के लिए वह पेड़–पौधों को काट रहा है। पेड़–पौधों की इस तरह कटाई के परिणाम स्वरूप आने वाले भयंकर संकट से वह अनजान है, इस क्षति से बचने की षिक्षा तथा पेड़–पौधों के प्रति लगाव तथा उसके महत्व के विषय में जागरूकता छात्र जीवन में ही होनी चाहिए तभी इस परनियंत्रण लगाया जासकता है इसलिए इसकी शुरूआत महाविद्यालय से ही होनी चाहिए।

महाविद्यालय में लगे पेड़–पौधों की हरियाली छात्रों में ऊर्जा का संचार करते है, प्रकृति के सानिध्य में ही उनके व्यक्तित्व का विकास होता है तथा वह पेड़–पौधों के महत्व तथा पर्यावरण षुद्धता के प्रति सतत् प्रयासदो के साथ पुरे विष्वसमुदाय के लिये जरूरी हो गया है क्योंकि आने वाले समय में इस धरती को बचाये रखने के लिए हमें पर्यावरण के प्रति सार्थक प्रयास करना होगा।जो उच्च षिक्षण संस्थान इस संबंध में बेहतर किरदार यदा कर सकते है। आज संपूण पर्यावरण प्रदूषण एक अत्यंत गंभीर मुद्दा व प्रमुख चुनौती बन चुका है। जिसे दूर करने के लिए समाज के हरे क वर्ग को आगे आना होगा जिसमें षिक्षित वर्ग का सबसे महत्वपूर्ण भागीदारी जन जागरूकता के साथ–साथ अपने कार्यालय, संस्थान आदि में अधिकाधिक पौधारोपण व उसका संरक्षण कर रोलमॉडल बनाना होगा एवं अपष्टि पदार्थो का पुनः चक्रण वाटर हारवेस्टिंग, ऊर्जा संरक्षण आदि विधियों को अपनाना होगा जो पर्यावरण सुधार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी भूमिका निभाते है।

हमारा महाविद्यालय इस विषय को प्रमुखता से दैनिक गतिविधि का हिस्सा बनाया है जिसमें प्राध्यापक, छात्र/छात्राएं व इस संस्थान के कर्मचारियों द्वारा अपनी भागीदारी सुनिचित किया जाता है। महाविद्यालय परिसर में वनस्पतिक उद्यान विकसित करने के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के पौधे रोपित किये गये है जिसमें औषधि गुण के पौधे भी षामिल है।

महाविद्यालय परिसर में रोपे गये कुछ पौधों का विवरण इस प्रकार है–

1. **तुलसी पौधा** :–वैज्ञानिक नाम ओसिमम सैंक्टम। तुलसी का पौधा अत्यधिक उपयोगी होता है। इससे सभी घरों में मेडिसीन एवं इसे घरमें लगाने से घरमें लक्ष्मी का वास होता है।तुलसी पौधे का उपयोग वेद शास्त्र के अनुसार बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस पौधे से विभिन्न प्रकार की बिमारी का ईलाज होता है। जैसे–सर्दी, खांसी और अन्य दवाईयों के रूप में उपयोग किया जाता है। तुलसी पौधा अत्यधिक उपयोगी है। शुद्ध वायु का भी संचार करता है।

2. **एलोवेरा** :– एलोवेरा का वैज्ञानिक नाम ऐलोवेरा है। ऐलोवेरा एक औषधि पौधा है, जो कि बहुत ही उपयोगी है, जो कि हमारें महाविद्यालय में रोपे गये है एलोवेरा से चेहरे की झुरियों एवं अन्य प्रकार की दवाईयाँ का उपयोग होता है।

3. **मोरपंखी** :– **Platycladus Orientalis** यह शो पिस पौधा है, जो कि महाविद्यालय प्रांगण में लगाया गया है यह पौधा अपनी सुन्दरता के लिए आदित्य है। इस सभी पौधों के कारण महाविद्यालय की स्वच्छता एवं सुन्दरता में अद्वितीय हो जाता है।

4. **मनीप्लांट** :– **Epipremnum Aureum** यह पौधा षुद्ध वायु का संचार करती है। इस पौधे को घरो में लगाना षुभ माना जाता है।

5. **गोल्डमोहर** :– **Delonixregia** यह पौधा हमारे महाविद्यालय के परिसर में लगाया गया है। जिसका पौधा हरा–भरा और मन को मोहने वाला है। इसकी फूल गुच्छो में निकलते है और इस सभी में मनुष्यों को ऑक्सीजन की मात्रा प्राप्त किया जाता है। इसमें भी मनुष्य को राहत मिलती है। इसका पेड़ बहुत बड़ा होता है तथा फूलो से सज्जित होता है।

6. **पत्थर चट्टा** :– **Bryophyllum Calycinum** यह पौधा उपयोगी औषधि के रूप में किया जाता है। जैसे– पथरी का ईलाज, पाचन शक्ति बढ़ाने में किया जाता है।

7. **नागफनी** :– **Crataegus** यह पौधा कांटो से युक्त होता है तथा यह सजावटी पौधों के रूप में रोपा जाता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन :– हमारे महाविद्यालय में अपषिष्ट प्रबंधन हेतु जैव–कम्पोस्ट कीट लगया गया है। जिसमें महाविद्यालय व इसके परिसर से एकत्र अपषिष्ट पदार्थो की प्रकृति अनुसार जैव–कम्पोस्ट कीट में डालकर जैविक खाद का निर्माण किया जाता है तथा यह जैविक खाद का उपयोग महाविद्यालय परिसर में लगे पौधों हेतु उपयोग में लाया जाता है।

प्लास्टिक के विरूद्ध अभियान :– शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर के छात्र/छात्राओं प्राध्यापकों द्वारा प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से परिचित कराया गया तथा प्लास्टिक के विरूद्ध लोगो में जागरूकता के उद्देष्य से एवं पर्यावरण को प्लास्टिक के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए नगर में रैली निकाल कर भ्रमण कराया गया।

जल संरक्षण :– षासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर के परिसर में छोटे–छोटे गड्ढे बनाकर वर्षा जल को भूमिगत कर एवं अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने का प्रयास किया जारहा है। क्योंकि पेड़–पौधें जल को संरक्षित करने में सहायक होते हैं।

पौधों का महत्व :–प्रकृति की साकारात्मक ऊर्जा को प्राप्त करने के लिए तथा जीवन को समृद्ध और खुषहाल बनाने के लिए हरसाल धरती पर पेड़–पौधे लगाए जाते है। पेड़ पृथ्वी की पारिस्थिति प्रणाली को संतुलित करने और बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।हरे पेड़ और पौधे ऑक्सीजन के साथ वातावरण को भरते है, हवा को शुद्ध करते हैं, मिटटी के कटाव को रोकते हैं, वन्य जीवन का समर्थन करते हैं और जलवायु नियंत्रण में सहायता करते हैं। धरती पर जीवन प्रदान करने वाली ऑक्सीजन और पानी प्रदान करने वाला मुख्य साधन पेड़ ही है। मात्र वायु प्रदूषण ही नहीं ये, हानिकारक रसायनों का छानकर जल को भी साफ करते हैं। हर उद्योग में पेड़ के उत्पाद का मुख्य योगदान रहता है। हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं में पेड़ों का बहुत महत्व है।

महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों को देखभाल :–महाविद्यालय में लगे पेड़ पौधों का समय–समय पद खाद्य तथा कीट नाषक दवाईयों का छीड़काव व देखभाल किया जाता है जिसके कि पौधों में बीमारियों का प्रभाव देखने को नहीं मिलता है और पौधे स्वच्छ एवं हरा–भरा दिखते है, इसके लिए हम सब प्रयासरत है।

शासकीय महर्षि वाल्मीकि स्नातकोत्तर महाविद्यालय भानुप्रतापपुर, जिला–उत्तर बस्तर कांकेर (छ.ग.)

(ग्रीन ऑडिटरिर्पोट, सत्र 2019–20)

क्रमांक	पेड़ / पौधों का नाम	वैज्ञानिक नाम
1	चांदनी	TabernaemontanaDivaricata
2	हरकारा	Allamanda Catharica
3	एक्जोरा	Ixora Coccinea
4	तुलसी	Ocimum Sanctums
5	सदाबहार	Vinca Rosea
6	लिली	Genus Lilium
7	गुलमोहर	Delonix Regia
8	मोरपंखी	PlatycladusOrientalis
9	नागफनी	Crataegus
10	पत्थरचट्टा	BryophyllumCalycinum
11	ऐलोवेरा	AloveBarbadensis
12	भृंगराज	EcliptaProstrata
13	चीरचीटा	Achyranthes Aspera
14	बबूल	VachelliaNilotica
15	चम्पा	Pulmeria Rubra
16	नागचम्पा	PlumeraiPudica
17	गेंदा	Tagetes Erecta
18	बेल	Aegle Marmelos
19	बरगद	Ficus Benghalensis
20	बेर	Zizyphusnummularia
21	कदम	NeolamarckiaCadamba
22	रतनजोत	Alkanna Tinctoria
23	गुलाब	Rosa
24	नीम	Azadirachta Indica

25	पलास	Butea Monosprema
26	अशोक	Saraca Asoca
27	कनेर	Cascabela Thevetia
28	छुईमुई	Mimosa Pudica
29	दुब घास	CynodonDactilon
30	चरौटा	Cassia Tora
31	लुनिया	Portulaca Oleracea
32	जंगली मूली	Blumea Lacera
32	चौलाई	Acaranthus
33	धुतुरा	Datura Stramonium
34	अरण्ड	Rucinus Communis
35	जंगली पेटुनीस	Ruellia Simplex
36	सेन्चुरी प्लान्ट	Agave Angustifolia
37	अमरूद	Psidiun Guajava
38	गाजर घास	Parthenium Hysterophorus
39	पल्म अरेलिया	PolysciasScutellaria
40	ऑक्जेलिस	Oxalis Comiculata
41	खम्हार	Gmelina Arborea
42	सेवंती	Chrysamthemum
43	जरबेरा	Gerbera
44	आम	Mangiter Indica
45	महुआ	MadhucaLongitdia
46	बेम्बु	Bembusa Vulgaris
47	शीशम	Dalbergia Sisso
48	सीताफल	Annona Squamosa
49	रातरानी	Cestrum Nocturnum
50	गंधराज	Gardenia Jasminoides
51	मोंगरा	Jasmine
52	साल (सरई)	Shorea Robusta

CREPE JASMINE

ALLAMANDA CATHARTICA

MARI GOLD

RED MARI GOLD

CORDYLINE PLANT

BANYAN TREE

Sub Divisional ForestOfficer
Bhanupratappur

Principal
Govt. Maharishi Valmiki P.G.Collage
Bhanupratappur, U.B.Kanker (C.G.)

JUNGLE GERANIUM

ACALYPHA WILKESIANA

GRADENIUM

ROSE

HIBISCUS

KALANCHOE PINNATA

CACTUS

CACTUS

SHRUB

CENTURY PLANT

AGAVE ANGUSTIFOLIA

BARBARY FIG

ALMOND

STONE APPLE

INDIAN JUJUBE PLANT

SHOW PLANT

SNAKE PLANT

TI PLANT

GARDEN CROTON

JAVA FERN

PALM TREE

SAL TREES

SAL TREES

GUAVA TREE

PAPAYA TREE

CUSTARD APPLE

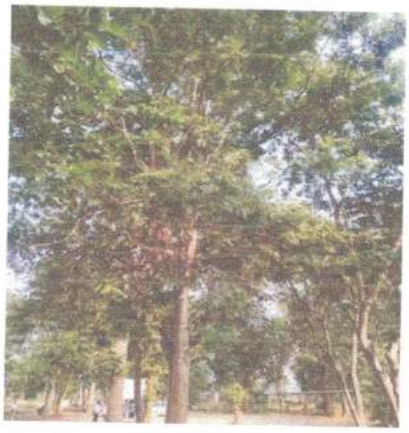

SAL TREES

SARAI TREES

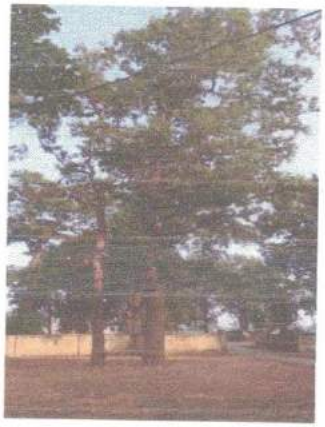

MAHUA

PALM TREE

Sub Divisional Forest Officer
Bhanupratappur

Principal
Govt. Maharishi Valmiki P.G.Collage
Bhanupratappur, U.B.Kanker (C.G.)